

Maximum Marks : 80

Time Allotted : Three Hours

Reading Time : Additional Fifteen Minutes

Instructions to Candidates

1. You are allowed an **additional fifteen minutes** for **only** reading the question paper.
2. You must **NOT** start writing during reading time.
3. This question paper has **11 printed pages and one blank page**.
4. It is divided into **two sections : Section A and Section B**.
5. It has **fifteen questions** in all.
6. **Section A** has **three questions**. All questions are compulsory.
7. While attempting **Multiple Choice Questions** in Section A, you are required to **write only ONE option as the answer**.
8. **Section B** has **twelve questions**. You are required to attempt **any four** questions in this section on **any three** out of the four prescribed textbooks.
9. The intended marks for questions are given in brackets [].

SEAL

Instruction to Supervising Examiner

1. Kindly read **aloud** the Instructions given above to all the candidates present in the examination hall.

SECTION - A

LANGUAGE - 40 MARKS

Question 1

[15]

Write a composition in approximately 400 words on *any one* of the topics given below.

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में एक निबन्ध लिखिए।

- (i) एक बार आप किसी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दूसरे शहर में गए। वहाँ पहुँचने के बाद आपका एक महत्वपूर्ण सामान खो गया। उस सामान को ढूँढने के लिए आपने क्या प्रयास किए? इस दौरान आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? इस अनुभव से आपको क्या महत्वपूर्ण सीख मिली? समझाकर लिखिए।
- (ii) किसी के चेहरे पर मुस्कान ला देना, किसी की बात ध्यान से सुनना, किसी असहाय को थोड़ा-सा समय देना, ये छोटे-छोटे कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण परिणाम देते हैं। ऐसे ही कुछ कार्यों का उल्लेख कीजिए, जिन्हें करके आपको मानसिक शांति और असीम सुख की प्राप्ति हुई हो।
- (iii) 'भोर का समय ऊर्जा, उत्साह, उमंग और चेतना से भरा होता है। इस समय प्रकृति विशेष रूप से प्राणवान रहती है। यह समय कोई महत्वपूर्ण कार्य योजना बनाने और बड़े संकल्प की सफलता का सकारात्मक स्रोत है।' इस कथन को अपने जीवन के किसी अनुभव द्वारा पुष्ट कीजिए।
- (iv) 'सोशल मीडिया लोगों को आपस में जोड़े रखने के स्थान पर दूरियाँ और अकेलापन बढ़ा रहा है।' इस कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
- (v) कल्पना कीजिए कि आप एक दिन उठे और आपने पाया कि शहर में एक भी गाड़ी नहीं चल रही है - ईंधन आपूर्ति अचानक रुक गई है। लोगों की दिनचर्या और मानसिकता पर इसका क्या प्रभाव पड़ा? आपने इस स्थिति को कैसे संभाला और इससे आपको क्या सीख मिली?
- (vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए।
 - (a) 'कड़ी मेहनत जीवन में थकान नहीं वरन् मुस्कान लाती है।'
 - (b) निम्नलिखित वाक्य से अंत करते हुए एक कहानी लिखिए।

..... और मुझे यह अहसास हुआ कि कभी-कभी गलतियाँ भी मजेदार किस्सों में बदल जाती हैं।

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

एक व्यक्ति अपने जीवन में बहुत परेशान था। सब कुछ होने के बावजूद वह खुश नहीं रह पाता था। एक दिन वह अपने गुरुजी के पास गया और उन्हें अपनी समस्या बताते हुए बोला, “गुरुजी! आपने मुझे सफलता प्राप्त के लिए मेहनत और लगन से काम करने की सलाह दी थी। मैंने वैसा ही किया और आज मैं अपने जीवन में सफल हूँ। मेरे पास गाड़ी, बंगला, पैसा और ऐशो-आराम के सारे साधन हैं फिर भी मैं खुश नहीं हूँ। मैं खुशी और सुकून से भरा जीवन जीना चाहता हूँ। गुरुजी, अब आप ही मेरा मार्गदर्शन करें।”

गुरुजी ने उसकी बात ध्यान से सुनी। फिर मुस्कुराते हुए घर के कमरे में चले गए। थोड़ी देर बाद जब वे बाहर आए, तो उनके हाथ में तीन गेंदें थीं। एक गेंद काँच की, एक चीनी मिट्टी की और एक रबर की थी। वे गेंदें उस व्यक्ति के हाथ में देकर बोले, “बेटा! मैं तुम्हारी समस्या का समाधान तुम्हें बताऊँगा लेकिन उसके पहले तुम्हें एक छोटा-सा काम देता हूँ। जो गेंदें मैंने तुम्हें दी हैं, उन्हें तुम अपने हाथों में लेकर एक के बाद एक इस तरह उछालते जाओ कि एक समय में कम-से-कम एक गेंद हवा में ज़रूर रहे।”

व्यक्ति उन गेंदों को हवा में उछालने लगा। वह एक गेंद हवा में फेंकता, तो दो गेंदें उसके हाथों में रहती। जब हवा में उछाली गई गेंद नीचे गिरने वाली होती, तो वह हाथ में रखी गेंदों में से एक को हवा में उछालकर उस गेंद को पकड़ लेता। ये सिलसिला इसी तरह चल रहा था। इस तरह गुरुजी के कहे अनुसार एक समय में एक गेंद हवा में अवश्य रहती थी।

कुछ देर बाद एक ऐसा समय आया जब चीनी मिट्टी की गेंद हवा में थी और काँच तथा रबर की गेंद उसके हाथ में थी लेकिन इस बार उसका सही संतुलन नहीं बन पाया और हवा में उछाली गई चीनी मिट्टी की गेंद नीचे जमीन पर गिरने लगी। चीनी मिट्टी की गेंद सबसे ज्यादा कीमती थी, इसलिए व्यक्ति ने सोचा जब दो ही गेंदें जमीन पर गिरने से बचाई जा सकती हैं, तो चीनी मिट्टी और काँच की गेंद को बचाना ज्यादा सही है। उसने तुरन्त अपने हाथ से रबर की गेंद नीचे गिरा दी और चीनी मिट्टी की गेंद पकड़ ली।

गेंद गिरने से वह दुःखी हो गया क्योंकि वह गुरुजी का बताया गया काम सही तरीके से पूरा नहीं कर पाया। उसने जब गुरुजी को देखा, तो गुरुजी ने पूछा, “बेटा! तुमने रबर की गेंद क्यों गिरा दी? चीनी मिट्टी की गेंद क्यों नहीं गिरने दी?”

उसने उत्तर दिया, “गुरुजी! चीनी मिट्टी की गेंद सबसे ज्यादा कीमती थी इसलिए मैंने उसे जमीन पर गिरने नहीं दिया। यदि काँच की या चीनी मिट्टी की गेंद जमीन पर गिर जाती, तो वे टूट जातीं लेकिन रबर की गेंद के नीचे गिरने से कोई नुकसान नहीं होता। जब मुझे लगा कि मैं दो ही गेंदें हाथ में संभाल पाऊँगा, तो मैंने चीनी मिट्टी और काँच की गेंदों को हाथों में संभाला और रबर की गेंद नीचे गिरा दी।”

उसका उत्तर सुनकर गुरुजी बोले, “बेटा! जिस समस्या का समाधान ढूँढने तुम मेरे पास आए थे, उसका समाधान तो तुमने खुद ही निकाल लिया। अब ज़रा गौर से सुनो - ये तीन गेंदें तुम्हारे जीवन की प्राथमिकताओं को दर्शाती हैं। चीनी मिट्टी की गेंद तुम और तुम्हारा परिवार है। काँच की गेंद तुम्हारी नौकरी, व्यवसाय, पैसे और जीवन के आवश्यक साधन हैं। रबर की गेंद विलासिता की वे चीज़ें हैं, जिनके बिना भी जीवन आराम से कट सकता है जैसे महंगा मोबाइल, महंगी घड़ी और अन्य शौक। तुमने अपने जीवन में काँच और रबर की गेंद पर ध्यान दिया लेकिन चीनी मिट्टी की गेंद यानि खुद पर, अपने परिवार पर ध्यान नहीं दिया। यही कारण है कि तुम्हें अपने जीवन में खुशी और सुकून की कमी खल रही है।

बेटा, जीवन में आगे बढ़ते समय अपनी प्राथमिकताएँ तय करके रखो। जब भी जीवन की तीन गेंदों का संतुलन बिगड़ता-सा महसूस हो, तो रबर की गेंद छोड़ो, जीवन में खुशियाँ सदा बनी रहेंगी। जीवन में अक्सर ऐसा होता है कि हम काम और पैसे के पीछे भागते-भागते अपने लिए और अपनों के लिए समय नहीं निकाल पाते। यही कारण है कि हम खुशी और सुकून के लिए तरसते रह जाते हैं।”

प्रश्न :

- (i) व्यक्ति सब कुछ होते हुए भी परेशान क्यों था? वह अपनी परेशानी के समाधान के लिए गुरुजी के पास क्यों गया? [3]
- (ii) गुरुजी ने उस व्यक्ति की समस्या के समाधान के लिए उसे क्या सुझाव दिया? क्या उस सुझाव का पालन करने में वह व्यक्ति पूरी तरह से सफल हुआ? तर्कसहित उत्तर लिखिए। [3]
- (iii) उस व्यक्ति ने कौन-सी गेंद नीचे गिरने दी और क्यों? गुरुजी ने उसकी परेशानी का कारण किस उदाहरण द्वारा समझाया? [3]
- (iv) निम्नलिखित पंक्ति पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।
 “ये तीन गेंदें तुम्हारे जीवन की प्राथमिकताओं को दर्शाती हैं।”
 (a) ‘काँच की गेंद’ किसका प्रतीक है? [1]
 - (1) नौकरी और व्यवसाय
 - (2) विलासिता के सामान
 - (3) परिवार के सदस्य और रिश्ते
 - (4) बाहरी चमक-धमक और दिखावा

(b) गद्यांश के अनुसार हमारी प्राथमिकता क्या होनी चाहिए?

[1]

- (1) ऐशो-आराम की जिन्दगी बिताना
- (2) पदोन्नति के पीछे दौड़ना
- (3) भविष्य के लिए धन संचय करना
- (4) अपने तथा अपनों के लिए जीना

(c) गेंद गिरने से वह व्यक्ति क्यों दुखी हुआ?

[1]

- (1) गेंद गिरकर टूट गई थी।
- (2) गेंद बहुत महंगी थी।
- (3) गेंद उससे संभली नहीं थी।
- (4) गुरुजी नाराज हो गए थे।

(v) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।

“जब भी जीवन की तीन गेंदों का संतुलन बिगड़ता-सा महसूस हो, तो रबर की गेंद छोड़ो, जीवन में खुशियाँ सदा बनी रहेंगी।”

(a) गद्यांश के आधार पर 'संतुलन बिगड़ने' का क्या अर्थ है?

[1]

- (1) समन्वय बनाए रखने में मुश्किल होना
- (2) अपने मन पर नियंत्रण न रहना
- (3) कमजोरी के कारण चक्कर आना
- (4) स्थिर होकर चल न पाना

(b) निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म गद्यांश के आधार पर सही है?

[1]

- (1) काँच की गेंद - महंगी वस्तुएँ
- (2) रबर की गेंद - हमारा काम-काज
- (3) चीनी मिट्टी की गेंद - हमारा परिवार
- (4) जिन्दगी का सुकून - महंगे शौक

(c) जीवन में स्थायी सुख की प्राप्ति के लिए हमें किस विकल्प को छोड़ देना चाहिए?

[1]

- (1) स्वयं के लिए समय निकालना
- (2) भौतिकता की दौड़ में शामिल होना
- (3) परिवार के साथ वक्त बिताना
- (4) अपनी प्राथमिकताएँ तय करना

Question 3

(A) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

- (i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए। [1]
उसे उच्चता कोटि की शिक्षा मिली है।
- (ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए। [1]
अगला विश्वकप जीतने के लिए सभी खिलाड़ियों ने अभी से _____ कस ली है।
- (iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]
(a) तभी तो कहते हैं कि बकरे की दादी कब तक खैर मनाएगी।
(b) तभी तो कहते हैं कि बकरे की माँ कब तक खैर मनाएगी।
(c) तभी तो कहते हैं कि बकरे की नानी कब तक खैर मनाएगी।
(d) तभी तो कहते हैं कि बकरे की मौसी कब तक खैर मनाएगी।
- (iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]
(a) महाराणा प्रताप शूरवीर योद्धा थे।
(b) झाँसी की रानी ने अद्भुत वीरता दिखाई।
(c) मोहन विशेष लक्षणों वाला विलक्षण बालक है।
(d) अपना काम दूसरों से नहीं करवाना चाहिए।
- (v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए। [1]
छात्रों ने प्रधानाचार्य से विनम्र निवेदन किया।
(a) महोदय
(b) सविनय
(c) मुदित
(d) सप्रमाण

(B) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

- (i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए। [1]
अकल पर पत्थर पड़ना
- (ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए। [1]
भैंस के आगे बाँसुरी बजाना
- (iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]
रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि 'बिहारी' के दोहों की प्रमुख विशेषता थी - _____।
(a) गागर में रस भरना
(b) गागर में सागर भरना
(c) गागर में सौंदर्य भरना
(d) गागर में पानी भरना
- (iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]
वह अपने मित्र की सहायता न कर सका क्योंकि उसके पास 'अधिक धन नहीं' था।
(a) हाथ तंग होना
(b) हाथ-पैर मारना
(c) हाथ मलना
(d) हाथ बँटाना
- (v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए। [1]
घाट-घाट का पानी पीना
(a) बहुत अनुभवी होना
(b) बहुत यात्रा करना
(c) नए अवसर तलाशना
(d) लोगों से मित्रता करना

SECTION - B
(LITERATURE - 40 MARKS)

Answer **four** questions from this section on **any three** out of the four prescribed textbooks.
पाठ्यक्रम में निर्धारित चार पुस्तकों में से किन्हीं तीन पुस्तकों के चार प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए।

गद्य संकलन (Gadya Sanklan)

Question 4

“आपके हृदय में इतनी टीस है, आज तक मैं न जानती थी। मुझे यही मालूम था कि अनेक अन्य तुर्क सरदारों के समान आप भी रंगरलियों में समय बिता रहे हैं, किन्तु बरफ़ से ढकी हुई चोटियों के नीचे भी ज्वालामुखी होता है।”

- (i) यह कथन किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं? [1]
- (ii) वक्ता और श्रोता कौन हैं? उनका परिचय दीजिए। [2]
- (iii) ‘टीस’ का क्या अर्थ है? किसके हृदय में कौन सी टीस है? समझाकर लिखिए। [2]
- (iv) “बरफ़ से ढकी हुई चोटियों के नीचे भी ज्वालामुखी होता है।” इस कथन का सन्दर्भ स्पष्ट करते हुए बताइए कि श्रोता ने वक्ता पर कौन-सा उपकार किया था? श्रोता के मनोभावों पर भी प्रकाश डालिए। [5]

Question 5

[10]

‘मजबूरी कहानी का प्रत्येक पात्र अपने स्थान पर सही होते हुए भी मजबूर दिखाई देता है।’ इस कथन पर विचार करते हुए कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए।

Question 6

[10]

समाचार पत्रों में छपने वाली किन खबरों को पढ़कर लेखक व्यथित हैं? अपने जीवन की दो घटनाओं का वर्णन उन्होंने किस उद्देश्य से किया है? क्या वास्तव में महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है? ‘क्या निराश हुआ जाए?’ निबन्ध के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

Question 7

‘है अँधेरी रात, पर दीवा जलाना कब मना है?
कल्पना के हाथ से कमनीय जो मंदिर बना था,
भावना के हाथ ने जिसमें वितानों को तना था।
स्वप्न ने अपने करों से, था जिसे रुचि से सँवारा,
स्वर्ग के दुष्प्राप्य रंगों से, रसों से जो सना था।

ढह गया वह तो जुटाकर, ईंट, पत्थर, कंकड़ों को,
एक अपनी शांति की कुटिया बनाना कब मना है?
है अँधेरी रात पर दीवा जलाना कब मना है?’

- (i) उक्त पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं? इसके कवि कौन हैं? [1]
- (ii) कवि के अनुसार ‘दीवा जलाना’ क्या दर्शाता है? इससे हमें क्या प्रेरणा मिलती है? [2]
- (iii) ‘ढह गया वह तो जुटाकर, ईंट, पत्थर, कंकड़ों को, एक अपनी शांति की कुटिया बनाना कब मना है?’ इन पंक्तियों में कवि किस जीवन-दर्शन की ओर संकेत करता है? समझाकर लिखिए। [2]
- (iv) ‘अँधेरे का दीपक’ कविता अंधकारमय जीवन में आशा का संदेश देती है। कविता की अन्य पंक्तियों के आधार पर इस कथन को प्रमाणित कीजिए। [5]

Question 8

[10]

‘नदी के द्वीप नामक कविता में अज्ञेय जी ने व्यक्ति, समाज और परम्परा के पारस्परिक सम्बन्धों को सर्वथा नवीन दृष्टि से देखा है।’ इस कथन की विवेचना कविता के आधार पर कीजिए।

Question 9

[10]

तुलसीदास ने विवाह तथा वनवास गमन के अवसर पर श्रीराम के मर्यादित व्यवहार का वर्णन किस प्रकार किया है? श्रीराम ने किन-किन जीवों का उद्धार किया है? तुलसीदास श्रीराम के अतिरिक्त और किसी की शरण में क्यों नहीं जाना चाहते?

सारा आकाश (Sara Aakash)

Question 10

‘लेकिन लगा जैसे ज़िंदगी में खुद मैं ही पहली बार सूर्योदय देख रहा हूँ। उन दिनों तो जाने किन अँधेरी कोठरियों में कैद था। देखता ही नहीं था कि मेरे आस-पास हो क्या रहा है अब रोशनी में आया हूँ तो लगता है कि इतने दिनों अँधेरे में बंद रहने की झोंप आँखें नहीं मिलाने दे रही। सचमुच रोशनी में प्रभा से कैसे बातें कर पाऊँगा, सीधा उसके चेहरे की ओर कैसे देख पाऊँगा!’

- (i) उपन्यासकार का नाम लिखते हुए बताइए कि इन पंक्तियों में किसके मनोभाव व्यक्त हुए हैं? [1]
- (ii) प्रस्तुत पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]
- (iii) वक्ता के मनोभावों में हुए परिवर्तन का पति-पत्नी के सम्बन्धों पर क्या प्रभाव पड़ा? [2]
- (iv) पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव का प्रारंभिक कारण क्या था? सन्दर्भ सहित समझाइए। [5]

Question 11**[10]**

‘प्रभा उन आदर्श भारतीय नारियों में से है जो स्वयं सर्वगुणसम्पन्न होती हैं, फिर भी कभी अभिमान नहीं करतीं, अपितु विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और सहनशीलता के साथ अपने पति की सच्ची सहचरी बनी रहती हैं।’ इस कथन को आधार बनाकर प्रभा का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

Question 12**[10]**

‘सारा आकाश भारतीय समाज के निम्न मध्यमवर्गीय संयुक्त परिवारों के उन अंतहीन संघर्षों की कहानी है, जिनका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव परिवार के युवा सदस्यों पर पड़ता है।’ उक्त कथन की समीक्षा उपन्यास के आधार पर कीजिए।

आषाढ़ का एक दिन (Aashad Ka Ek Din)**Question 13**

“नहीं, उठो नहीं। इसी तरह बैठी रहो राज्य उन्हें सम्मान दे रहा है, माँ! उन्हें राजकवि का आसन प्राप्त होगा उस व्यक्ति को, जिसे उसके निकट के लोगों ने आज तक समझने का प्रयत्न नहीं किया। जिसे घर में और घर से बाहर केवल लांछना और प्रताड़ना ही मिली है।”

- (i) उपर्युक्त कथन किसने, किससे कहा? **[1]**
- (ii) ‘राजकवि का आसन’ किसे, किसके द्वारा और क्यों मिल रहा है? **[2]**
- (iii) ‘निकट के लोगों’ से किनकी ओर संकेत किया गया है? उन लोगों ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया ? **[2]**
- (iv) वक्ता की प्रसन्नता का कारण समझाइए और श्रोता के साथ उसके सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। श्रोता की अप्रसन्नता का क्या कारण था? समझाकर लिखिए। **[5]**

Question 14**[10]**

“जो भाव तुम थे, वह दूसरा नहीं हो सका, परन्तु अभाव के कोष्ठ में किसी दूसरे की जाने कितनी-कितनी आकृतियाँ हैं।” मल्लिका के जीवन की इस दुर्दशा का क्या कारण है? उक्त कथन पर विचार करते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

Question 15

[10]

‘राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक-एक क्षण का महत्व है।’ इस कथन के वक्ता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए लिखिए कि वह किससे मिलने के लिए आई है और उसके आगमन का वास्तविक उद्देश्य क्या है?

21000460

21000460

21000460